करियर शीट · CAREER SHEET

भारतीय सांख्यिकी सेवा (आई.एस.एस.)

Indian Statistical Service (ISS)

7 सितंबर 2026

भारतीय सांख्यिकी सेवा उस तंत्र की अधिकारी-सेवा है जो देश के आँकड़े बनाता है — जनगणना से लेकर बेरोज़गारी दर, मुद्रास्फीति और सकल घरेलू उत्पाद तक। जिस संख्या के आधार पर सरकार नीति बनाती है और समाचार-पत्र शीर्षक छापते हैं, वह इसी...

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी
Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)
www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. काना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

भारतीय सांख्यिकी सेवा उस तंत्र की अधिकारी-सेवा है जो देश के आँकड़े बनाता है — जनगणना से लेकर बेरोज़गारी दर, मुद्रास्फीति और सकल घरेलू उत्पाद तक। जिस संख्या के आधार पर सरकार नीति बनाती है और समाचार-पत्र शीर्षक छापते हैं, वह इसी सेवा के अधिकारियों के काम से निकलती है। एक बात इसे इस पोर्टल की अधिकांश सरकारी राहों से अलग करती है, और उसे आरंभ में ही समझ लेना चाहिए: यह सिविल सेवा परीक्षा से नहीं भरी जाती। इसकी अपनी परीक्षा है — संघ लोक सेवा आयोग की भारतीय आर्थिक सेवा / भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा — और उसके लिए स्नातक में सांख्यिकी, गणितीय सांख्यिकी अथवा अनुप्रयुक्त सांख्यिकी में से कोई एक विषय होना अनिवार्य है, अथवा उन्हीं विषयों में स्नातकोत्तर। इसलिए यह वह राह है जिसकी योजना बारहवीं में गणित लेते समय ही बन जाती है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	स्नातक की उपाधि जिसमें सांख्यिकी, गणितीय सांख्यिकी अथवा अनुप्रयुक्त सांख्यिकी में से कोई एक विषय हो; अथवा इन्हीं विषयों में से किसी एक में स्नातकोत्तर उपाधि। यह इस पोर्टल की उन थोड़ी-सी सरकारी राहों में है जहाँ विषय की शर्त वास्तव में है — केवल स्नातक होना पर्याप्त नहीं
चयन परीक्षा	संघ लोक सेवा आयोग की भारतीय आर्थिक सेवा / भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा — सिविल सेवा परीक्षा से अलग, अपनी अलग विज्ञप्ति और अपना अलग पाठ्यक्रम
आयु सीमा	21 से 30 वर्ष (1 अगस्त 2025 को, विज्ञप्ति 2025 के अनुसार); अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति को 5 वर्ष तक की छूट
पद	2025 की परीक्षा में भारतीय सांख्यिकी सेवा के 35 पद (जिनमें 4 दिव्यांगजन अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित) तथा भारतीय आर्थिक सेवा के 12 पद
आरंभिक वेतन	₹56,100 प्रति माह (सातवें वेतन आयोग का वेतन स्तर 10, कनिष्ठ समय-मान), भत्तों को छोड़कर

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- संख्याओं और आँकड़ों में वास्तविक रुचि — केवल गणित की परीक्षा पास करने भर की नहीं
- सर्वेक्षण, नमूना-चयन और विश्लेषण का काम
- यह जानने की जिज्ञासा कि सरकारी आँकड़े बनते कैसे हैं और उनका अर्थ क्या है

क्षमताएँ

- संख्यात्मक योग्यता — यह इस सेवा की रीढ़ है, कोई सहायक कौशल नहीं
- तार्किक योग्यता तथा सांख्यिकीय सिद्धांतों की गहरी समझ
- डेटा विश्लेषण एवं व्याख्या — आँकड़े से निष्कर्ष निकालना और उसकी सीमा भी बताना

ज़रूरी कौशल

- प्रतिदर्श (सैंपल) सर्वेक्षणों का अभिकल्पन एवं संचालन
- सांख्यिकीय सॉफ़्टवेयर का प्रयोग तथा बड़े आँकड़ा-समूहों का प्रबंधन
- राष्ट्रीय लेखा, मूल्य सूचकांक एवं रोज़गार के आँकड़ों की तैयारी
- मंत्रालयों को नीति के लिए आँकड़ा-आधारित सलाह देना

4 कैसे पहुँचें

1. बारहवीं में गणित लीजिए। यह सलाह इस पृष्ठ पर सबसे व्यावहारिक है, क्योंकि सांख्यिकी वाले स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रायः गणित के बिना नहीं मिलता — और यही राह की असली शर्त है।
2. स्नातक में सांख्यिकी, गणितीय सांख्यिकी अथवा अनुप्रयुक्त सांख्यिकी में से कोई एक विषय अवश्य रखें। बी.एससी. में यह सामान्य है, और कई विश्वविद्यालयों में बी.ए. तथा बी.कॉम. के साथ भी सांख्यिकी ली जा सकती है — अपने विश्वविद्यालय की पुस्तिका देखकर पहले ही तय कर लीजिए।
3. यदि स्नातक में सांख्यिकी नहीं ली, तो रास्ता तब भी खुला है: इन्हीं विषयों में से किसी एक में स्नातकोत्तर करने पर पात्रता बन जाती है।
4. यह परीक्षा सिविल सेवा परीक्षा से अलग है और इसकी विज्ञप्ति अलग आती है — सामान्यतः फ़रवरी में। संघ लोक सेवा आयोग की वेबसाइट पर 'भारतीय आर्थिक सेवा / भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा' के नाम से देखिए, सिविल सेवा के नाम से नहीं।
5. पद कम हैं पर प्रतियोगिता भी सीमित है, क्योंकि पात्र वही हैं जिनके पास सांख्यिकी की पढ़ाई है। तैयार अभ्यर्थी के लिए यह लाभ की बात है।

प्रमुख परीक्षाएँ

- चयन संघ लोक सेवा आयोग की भारतीय आर्थिक सेवा / भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा से होता है। यह सिविल सेवा परीक्षा नहीं है — अलग विज्ञप्ति, अलग पाठ्यक्रम और अलग तिथियाँ। एक ही परीक्षा से दो सेवाएँ भरी जाती हैं: भारतीय आर्थिक सेवा, जिसके लिए अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर चाहिए, और भारतीय सांख्यिकी सेवा, जिसके लिए सांख्यिकी की पढ़ाई।
- आयु-सीमा 21 से 30 वर्ष है (2025 की विज्ञप्ति में 1 अगस्त 2025 को, अर्थात जन्म 2 अगस्त 1995 से पहले और 1 अगस्त 2004 के बाद का न हो)। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को अधिकतम पाँच वर्ष की छूट मिलती है। यह सिविल सेवा परीक्षा की 32 वर्ष की सीमा से दो वर्ष कम है, इसलिए योजना उसी हिसाब से बनाइए।
- परीक्षा में लिखित प्रश्न-पत्र और उसके बाद साक्षात्कार होता है; भारतीय सांख्यिकी सेवा के प्रश्न-पत्र सांख्यिकी के विषय पर ही होते हैं, सामान्य अध्ययन पर नहीं — यही इसे सिविल सेवा परीक्षा से मूल रूप से अलग करता है। जो विद्यार्थी सांख्यिकी में अच्छा है पर सामान्य अध्ययन के विशाल पाठ्यक्रम से घबराता है, उसके लिए यह कहीं बेहतर आकार की परीक्षा है। प्रश्न-पत्रों का पूरा ब्योरा और पाठ्यक्रम विज्ञप्ति में दिया रहता है — नीचे दिए लिंक से उसे अवश्य देखें।
- योग्यता की शर्त इस पृष्ठ की सबसे महत्वपूर्ण बात है और विज्ञप्ति के अपने शब्दों में यह है: अभ्यर्थी के पास सांख्यिकी, गणितीय सांख्यिकी अथवा अनुप्रयुक्त सांख्यिकी में से किसी एक विषय के साथ स्नातक की उपाधि होनी चाहिए, अथवा उन्हीं में से किसी एक में स्नातकोत्तर उपाधि। ध्यान दीजिए कि स्नातक स्तर पर सांख्यिकी 'एक विषय के रूप में' पर्याप्त है — पूरी उपाधि सांख्यिकी की होना आवश्यक नहीं।
- 2025 की परीक्षा में भारतीय सांख्यिकी सेवा के 35 पद थे, जिनमें से 4 दिव्यांगजन अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित (3 बैकलॉग सहित), और भारतीय आर्थिक सेवा के 12 पद। विज्ञप्ति स्वयं कहती है कि ये संख्याएँ अस्थायी हैं और बदल सकती हैं। यह छोटी भर्ती है — पर पात्र अभ्यर्थियों की संख्या भी सीमित है, जो इसे उस विद्यार्थी के लिए वास्तविक बनाता है जिसने सांख्यिकी पढ़ी हो।
- यह पृष्ठ परीक्षा सूचना संख्या 07/2025-आई.ई.एस./आई.एस.एस., दिनांक 12 फरवरी 2025 से लिखा गया है, जिसमें आवेदन की अंतिम तिथि 4 मार्च 2025 थी। नया विज्ञापन आने पर पद, तिथियाँ और आयु की गणना-तिथि उसी से लें।

5 कहाँ से पढ़ें

ऑनलाइन

- UPSC — the Indian Economic Service / Indian Statistical Service Examination page — अखिल भारतीय (https://www.upsc.gov.in/examinations/Indian%20Economic%20Service%20-%20Indian%20Statistical%20Service%20Examination,%202025)
- Ministry of Statistics and Programme Implementation (MoSPI) — where this service works — अखिल भारतीय (https://www.mospi.gov.in/)
- National Sample Survey — the surveys this service designs and runs — अखिल भारतीय (https://www.mospi.gov.in/national-sample-survey-nss)

फ़ीस

इस राह की लागत सामान्य स्नातक से अधिक नहीं है — सांख्यिकी वाला बी.एससी. अथवा बी.ए. राजकीय महाविद्यालय में उसी शुल्क पर होता है जिस पर कोई और उपाधि। राजस्थान के विश्वविद्यालयों में सांख्यिकी के साथ स्नातक तथा एम.एससी. सांख्यिकी दोनों उपलब्ध हैं। परीक्षा शुल्क बहुत कम है और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिला तथा दिव्यांगजन अभ्यर्थियों के लिए नहीं लगता। असली 'लागत' विषय का चुनाव है, पैसा नहीं — और वह चुनाव बारहवीं में गणित लेने से आरंभ होता है।

छात्रवृत्तियाँ

- National Scholarship Portal — central and state scholarships for graduation and postgraduation (https://scholarships.gov.in/)
- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, तथा विभिन्न मंत्रालयों के सांख्यिकी प्रभाग। मुख्यालय नई दिल्ली में है और यह अखिल भारतीय सेवा है, इसलिए पदस्थापन देश में कहीं भी हो सकता है।

कार्य-संस्कृति

काम सर्वेक्षणों के अभिकल्पन, आँकड़ों के संग्रह एवं विश्लेषण और रिपोर्ट-लेखन का है। कार्यालय-समय नियमित रहता है, पर जिस समय कोई बड़ा सर्वेक्षण चल रहा हो अथवा कोई प्रमुख आँकड़ा जारी होना हो, तब दबाव बढ़ जाता है — क्योंकि उन आँकड़ों को पूरा देश देखता है और उन पर बहस होती है। यहाँ शुद्धता की अपेक्षा असामान्य रूप से ऊँची है।

कौन नौकरी देता है

- सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय तथा राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय
- भारत सरकार के मंत्रालयों एवं विभागों के सांख्यिकी प्रभाग

माँग (2026)

पद कम हैं — 2025 में 35 — पर यह संख्या भ्रामक हो सकती है, क्योंकि पात्रता की शर्त प्रतियोगिता को स्वयं सीमित कर देती है: बैठ वही सकता है जिसने सांख्यिकी पढ़ी हो। सिविल सेवा परीक्षा में लाखों अभ्यर्थी होते हैं; यहाँ कुछ हज़ार। जिस विद्यार्थी ने सांख्यिकी के साथ स्नातक किया है, उसके लिए यह इस पोर्टल की सबसे अच्छे आकार वाली अखिल भारतीय सेवा-परीक्षाओं में से एक है। साथ में राजस्थान के सांख्यिकी अधिकारी पद और आँकड़ा-विश्लेषण के निजी क्षेत्र के काम के लिए भी आवेदन करते रहिए — सांख्यिकी की पढ़ाई तीनों में चलती है।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. कनिष्ठ समय-मान (सहायक निदेशक) — प्रवेश-स्तर, वेतन स्तर 10, मूल वेतन ₹56,100
2. वरिष्ठ समय-मान (उप निदेशक)
3. कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (संयुक्त निदेशक) एवं निदेशक
4. उप महानिदेशक एवं महानिदेशक — राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के वरिष्ठ पद

कमाई

शुरुआत	₹56,100 प्रति माह (वेतन स्तर 10, कनिष्ठ समय-मान, मूल वेतन), भत्तों को छोड़कर
मध्य स्तर	₹1,18,500 – ₹1,44,200 प्रति माह (मूल वेतन, वरिष्ठ समय-मान एवं कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में)
वरिष्ठ स्तर	₹2,00,000 से अधिक (मूल वेतन, वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड एवं उससे ऊपर)

प्रवेश कनिष्ठ समय-मान पर होता है, जो सातवें केंद्रीय वेतन आयोग के वेतन मैट्रिक्स का स्तर 10 है — मूल वेतन ₹56,100, अर्थात भारतीय प्रशासनिक सेवा और अन्य समूह 'क' सेवाओं के प्रवेश-स्तर के बराबर। सभी समूह 'क' सेवाओं का प्रवेश-वेतन एक ही रहता है; अंतर काम में होता है, वेतन में नहीं। इस पर महँगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता और परिवहन भत्ता अलग से मिलते हैं। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें लागू होने पर ये आँकड़े बदलेंगे।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- प्रतियोगिता सिविल सेवा परीक्षा से कहीं कम है, क्योंकि पात्र वही हैं जिन्होंने सांख्यिकी पढ़ी हो — तैयार अभ्यर्थी के लिए यह बड़ा लाभ है
- परीक्षा आपके अपने विषय पर है, सामान्य अध्ययन के विशाल पाठ्यक्रम पर नहीं
- प्रवेश-वेतन भारतीय प्रशासनिक सेवा के बराबर — ₹56,100 मूल, वेतन स्तर 10
- काम का असर सीधा दिखता है — जिन आँकड़ों पर देश की नीति बनती है, वे इसी सेवा से आते हैं
- स्नातक में सांख्यिकी 'एक विषय के रूप में' पर्याप्त है; पूरी उपाधि सांख्यिकी की होना आवश्यक नहीं

चुनौतियाँ

- विषय की शर्त वास्तविक है — सांख्यिकी पढ़े बिना आप पात्र ही नहीं हैं, चाहे बाकी सब कुछ हो। यह निर्णय बारहवीं में गणित लेते समय ही बन जाता है।
- पद बहुत कम हैं — 2025 में केवल 35
- आयु-सीमा 30 वर्ष है, जो सिविल सेवा परीक्षा की 32 वर्ष से दो वर्ष कम है
- यह अखिल भारतीय सेवा है — पदस्थापन देश में कहीं भी, और अधिकांश काम दिल्ली तथा बड़े नगरों में
- काम मुख्यतः आँकड़ों, सर्वेक्षणों और रिपोर्टों का है; ज़िले के प्रशासन जैसी सार्वजनिक भूमिका इसमें नहीं

9 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा सेवा (आई.ए. एंड ए.एस.)
- एस.एस.सी. जे.एच.टी. — संयुक्त हिंदी अनुवादक परीक्षा
- मेट्रो ट्रेन ऑपरेटर / स्टेशन कंट्रोलर

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. संघ लोक सेवा आयोग — भारतीय आर्थिक सेवा / भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा — https://www.upsc.gov.in/examinations/Indian%20Economic%20Service%20-%20Indian%20Statistical%20Service%20Examination,%202025

2. परीक्षा सूचना संख्या 07/2025-आई.ई.एस./आई.एस.एस. — इस पृष्ठ का स्रोत — https://www.upsc.gov.in/sites/default/files/Notif-IES-ISS-Exam-2025-English-120225.pdf

3. सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय — https://www.mospi.gov.in/

4. संघ लोक सेवा आयोग — मुख्य वेबसाइट — https://www.upsc.gov.in/